दिसम्बर, 2023 क्रमांक 12

e publication

मासिक पशुपालन निर्देशिका

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

पशुओं में कीटोसिस रोग

जाने कीटोसिस रोग को :

- दुधारू पशुओं में जब उर्जा की जरुरत सेवन के मुकाबले अधिक होती हैं, तो कीटोसिस रोग उत्पन्न हो सकता हैं |
- गर्भावस्था के अंतिम चरण में या ब्याने के बाद, शरीर में उर्जा की मांग ज्यादा होती हैं, अतः इस समय किटोसिस रोग की संभावना होती हैं |
- कीटोसिस रोग में रक्त में ग्लूकोज की कमी से शरीर की वसा / फैट का विघटन होता हैं, जिससे रक्त में कीटोन बॉडी का स्तर बढता हैं व मूत्र के द्वारा ये निकलते हैं |
- यह रोग पशुपालकों को अत्यधिक आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाला हैं, जिसमे सीधे तौर पर दूध उत्पादन में कमी आती हैं व गर्भाधारण में देरी होती हैं व इसका पशुपालक को समय पर पता नही चल पाता |

कीटोसिस रोग के लक्षण :

- पशु के दूध में कमी, खाने में कमी व वजन में कमी आना
- पशु में एसीटोन (मीठी सिरके जैसी विशेष गंध) स्वास, दूध एवं मूत्र से आना |
- शुरआत में पशु का सिर्फ घास भूसा का खाना पर दाना न खाना, बाद में किसी भी प्रकार का आहार एवं पानी न लेना।
- पाइका -अखाद्य पदार्थ खाना भी देखने को मिल सकता हैं |
- ज्यादा समस्या होने पर असामान्य /लडखडाती चाल, चक्कर आना, लडखडाना, गिरना, सिर दबाना आदि
- बिना लक्षण के भी यह हो सकता हैं, जिसमे दूध उत्पादन के अलावा अन्य कोई लक्षण नही दिखाई देते

बचाव व रोकथाम

- गर्भित पशु को भूखा न रखें |
- पशु गर्भाधारण के अंतिम भाग में पर्याप्त आहार (लगभग 3 कि०ग्रा० चाट /दाना मिश्रण) कम से कम दें |
- ब्याने के बाद पर्याप्त मात्रा में उर्जा से भरपूर चाट / दाना मिश्रण दें व अधिक अनाज से अमलता रोकने हेतु सोडियम बाईकार्बोनेट (मीठा सोडा) दें | ज्यादा दूध देने वाले पशुओं में बाई पास फैट (15-20 ग्र० /कि०ग्रा० दूध अनुसार दे |
- रक्त में ग्लुकोज का स्तर बढाने हेतु गुड़ दें, प्रोपेलिन ग्लाइकोल या ग्लिसरीन चिकित्सीय परामर्श से दें | लक्षण होने पर पशु के पेशाब से रोग की जाँच करवाएं |

दिसम्बर मास के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- बढती ठण्ड से विशेषकर सुबह शाम के समय पशुओं का बचाव रखे |
- छोटे नर पशुओं में पेशाब रुकने पर ध्यान दें, पीने योग्य ताज़ा / गुनगुना पानी दें, शराब / बियर बिलकुल भी न दें, समस्या होने पर चिकित्सीय परामर्श से नौसंदर (7-10ग्र०) दें |
- छोटे पशुओं को चिकित्सीय परामर्श से 15-45-75वे दिन की आयु में जून /पेट के कीड़ो की दवा दें, ऐसे पशुओ में कब्ज न बनने दें |

व्हाट्सअप्प ग्रुप से जुड़ें: प्रगतिशील पशुपालक ग्रुप से जुड़ने हेतु 930-000-0857 व्हाट्स अप्प मेसेज भेजे |

डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना एवं डॉ ज्योति शुन्ठवाल

विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास